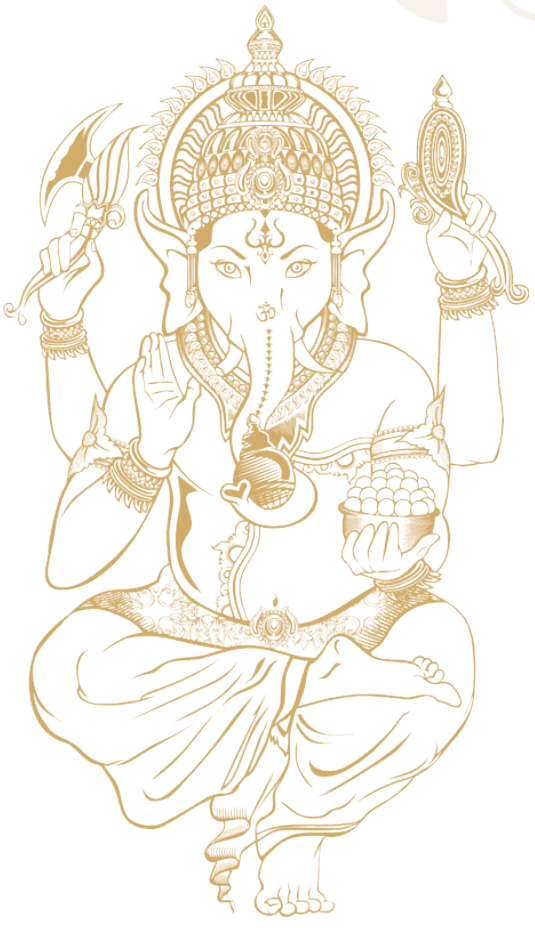

Mr.Tharun

ms.sanjna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120163402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/01/2006	जन्म तिथि	19/07/2008
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:55:00	जन्म समय	18:30:00 घंटे
घटी 01:38:45	जन्म समय(घटी)	31:28:08 घटी
India	देश	India
Partabgarh	स्थान	Mandsaur
24:02:00 उत्तर	अक्षांश	24:03:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	75:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:29:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	05:52:42
18:11:31	सूर्यास्त	19:18:13
23:56:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:47

विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 4मा 27दि

शनि	
22/06/2013	
22/06/2032	
शनि	25/06/2016
बुध	05/03/2019
केतु	13/04/2020
शुक्र	14/06/2023
सूर्य	26/05/2024
चन्द्र	25/12/2025
मंगल	03/02/2027
राहु	10/12/2029
गुरु	22/06/2032

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	21:53:09
सूर्य	कर्क	03:14:26
चंद्र	मक	17:01:58
मंगल	सिंह	16:47:02
बुध	मिथु	21:34:54
गुरु व	धनु	22:11:32
शुक्र	कर्क	14:20:08
शनि	सिंह	12:21:56
राहु व	मक	24:34:12
केतु व	कर्क	24:34:12
हर्ष व	कुंभ	28:28:36
नेप व	मक	29:34:13
प्लूटो व	धनु	05:08:36

राशि	अंश
धनु	21:53:09
कर्क	03:14:26
मक	17:01:58
सिंह	16:47:02
मिथु	21:34:54
धनु	22:11:32
कर्क	14:20:08
सिंह	12:21:56
मक	24:34:12
कर्क	24:34:12
कुंभ	28:28:36
मक	29:34:13
धनु	05:08:36

विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 8मा 21दि

राहु	
10/04/2020	
10/04/2038	
राहु	22/12/2022
गुरु	17/05/2025
शनि	23/03/2028
बुध	10/10/2030
केतु	29/10/2031
शुक्र	28/10/2034
सूर्य	22/09/2035
चन्द्र	23/03/2037
मंगल	10/04/2038

लग्न-चलित

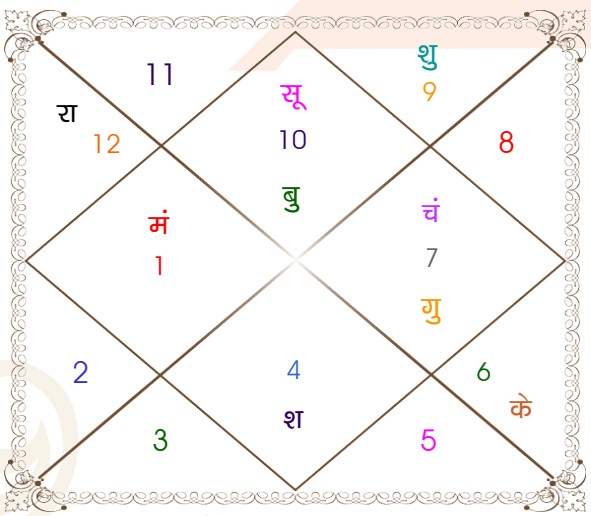

लग्न-चलित

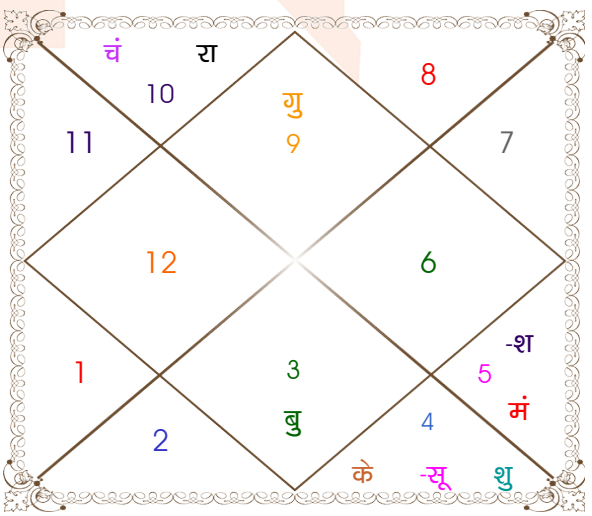

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि उेंदरदं का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्र्जेंतनद का वर्ग सर्प है तथा उेंदरदं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्र्जेंतनद और उेंदरदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्र्जेंतनद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतण्र्जेंतनद कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्र्जेंतनद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

उेंदरदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डतण्र्जेतनद तथा उेंदरदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।